कीर्तवर्धन सिंह
KIRTI VARDHAN SINGH

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
एवं विदेश मंत्रालय
भारत सरकार
Minister of State
Environment, Forest & Climate Change
and External Affairs
Government Of India

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बेहद खुशी हो रही है कि हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन वर्ष 2025 का आगाज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर "अमृत कुम्भ सम्मान" एवं "अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड पुरस्कार वितरण समारोह" के आयोजन के द्वारा कर रहा है। यह अत्यंत गर्व का विषय है कि इस कार्यक्रम में देशभर से हिंदी भाषा के विशेषज्ञ, शिक्षाविद्, सांसद, सैन्य/सरकारी अधिकारी एवं हिंदी भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्राधानाचार्य व शिक्षक भाग लेंगे। मुझे यह जानकर बहुत ही संतुष्टि हो रही है कि हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन का उद्देश्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की समृद्धि और साथ ही साथ हिंदी व्याकरण में विद्यार्थियों की रुचि जागृत करना है।

भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य लिखकर, बोलकर, पढ़कर व सुनकर अपने मन के भावों या विचारों का आदान-प्रदान करता है। लेकिन हिंदी सिर्फ भाषा या संवाद का ही साधन नहीं है, बल्कि यह भारतीयों के बीच एक भाषिक एवं सांस्कृतिक सेतु भी है। भारत उत्तर से दक्षिण तथा पश्चिम से पूर्व तक एक विशाल भू-भाग में फैला हुआ है। इतने विशाल भू-भाग में अनेक भाषाएं एवं बोलियां बोली जाती हैं। इस विस्तृत भू-भाग को एकता के सूत्र में बांधे रखने में अनेक भाषाओं और बोलियों के बीच सिर्फ हिंदी ही सक्षम है। यह सम्पूर्ण राष्ट्र की एकता और अखण्डता की कड़ी है अर्थात यदि राष्ट्र को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाना है तो उसका माध्यम अपनी भाषा ही हो सकती है और जिसके लिए हिंदी पूर्ण रूप से सक्षम है।

हमें यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि हम हिंदी को केवल व्यवहार मात्र या शासन की ही भाषा नहीं बनाना चाहते बल्कि उसे व्यापक एवं सर्वजन और सर्वकार्य की भाषा बनाना चाहते है। तात्पर्य यह है कि हमें हिंदी को अपने देश में उसी रूप में प्रतिष्ठित करना होगा जैसे इंग्लैंड में अंग्रेजी और फ्रांस में फ्रांसीसी भाषा है। यह पूरी तरह से संभव है। हिंदी राजभाषा के रूप में भारत की पहचान बन चुकी है। वास्तव में जिस प्रकार किसी राष्ट्र के लिए उसका राष्ट्रध्वज सम्मान सूचक और गौरव का प्रतीक है, उसी प्रकार उसकी राष्ट्रभाषा भी। इसलिए हमें राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगीत और राष्ट्रचिन्ह की तरह ही राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति श्रद्धा रखनी चाहिए।

मैं हिंदी भाषा के उत्थान के लिए आपके फाउंडेशन द्वारा किए गए प्रयासों पर बहुत गर्व कर रहा हूँ। मैं हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन के कार्य और प्रयासों की सराहना करता हूँ तथा भविष्य में हिंदी के स्तर को और अधिक ऊँचाइयों पर ले जाने के आपके प्रयासों की सफलता के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।

अंत में मैं एक बार फिर हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन परिवार को हिंदी के उत्थान के प्रति उनके समर्पण को नमन करता हूँ, और आज के सभी पुरस्कार विजेताओं को बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

जय हिन्द, जय हिंदी!

नई दिल्ली
19 दिसंबर, 2024

(कीर्तवर्धन सिंह)

MOEF&CC : Akash Wing, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003
Tel : 011-20819418, 20819421 Fax : 011-20819207 E-mail : mos.kvs@gov.in
MEA : South Block, New Delhi-110011 Tel : 011-23011141, 23014070, 23794337 Fax : 011-23011425 E-mail : moskvso@mea.gov.in